Sixteenth Loksabha

an>

Title: Observation regarding the problems faced by the country

माननीय अध्यक्ष : महाराऐट्र में जो कुछ भी हुआ है, आप सब उसके संदर्भ में बोलना चाहते हैं। मैं किसी को बोलने के लिए मना नहीं करूँगी। मेरी आप सब लोगों से केवल एक रिक्वेस्ट है कि ये जो सारी बाते हैं और जो कुछ भी हो रहा है, उसके बारे में बोलते समय हम सभी लोग कुछ बातों का ध्यान रखें।

मुझे लगता है कि हमारे यहाँ एक ज़माना ऐसा था, जब अंग्रेजों ने हमारे आपस में फूट डालकर, हमारे एक-एक शासक को पराजित करते हुए, अपना राज हमारे देश पर जमा लिया था। हम सभी जन प्रतिनिधि हैं। हम अपने-अपने क्षेत्र और पूरे भारत की जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं। जिस प्रकार हम कहते हैं कि - "स्वधर्मे निधनं श्रेयः परधर्मो भयावहः", उसी प्रकार मैं कहूँगी, जिसे आप लोग याद रखिएगा - "स्वराज्य निधनं श्रेयः परराज्य भयावहः"। यह हम सब ने अनुभव किया है।

आज आप लोग यहाँ जो भी विऐाय उठाएंगे, उन्हें आप अपने-अपने अलग तरीकों से उठाइए, लेकिन हमें एक बात का ध्यान रखना होगा, कि आखिर में हम सभी जनता के प्रतिनिधि हैं। हम सभी को कहीं न कहीं एक होकर इस राऐट्र की रक्षा करनी है। इसके लिए हम यहाँ हैं। यह समस्या, जो उभर रही है, इसका निदान आरोप-प्रत्यारोप लगाकर नहीं होगा। हम सभी को यहाँ मिल-बैठकर इस समस्या का निदान करना है। मुझे जो लगा, मैं वह आप सब के सामने रख रही हूँ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज़, सुरेश जी, मेरी बात सुनिए।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं किसी को दोऐा नहीं दे रही हूँ। मैं यह कह रही हूँ कि आज देश के सामने जो भी समस्याएँ आ रही हैं, वे केवल आरोप-प्रत्यारोप से नहीं सुलझेंगी। इसलिए प्लीज़, आप सब एक रिस्पॉन्सिबिल जन प्रतिनिधि के नाते इन समस्याओं को उठाइए। मैं इसके लिए आप सब से हाथ जोड़ कर निवेदन ही कर सकती हूँ। मैं आप सब से यह निवेदन देश के लिए कर रही हूँ।

इससे पहले कि आप सब बोलें, आज मुलायम सिंह जी डिफेंस के मामले में अपनी बात कहना चाहते हैं। उन्होंने कल भी रिक्वेस्ट की थी। आज उन्होंने फिर रिक्वेस्ट की है। पहले उन्हें बोलने दीजिए, फिर मैं आप को allow कर दूँगी।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज़, उन्होंने कल से रिक्वेस्ट की हुई है। आप उनकी बात भी समझिए। वे कुछ कहना चाहते हैं। उन्हें बोलने दीजिए।

मुलायम सिंह जी, आप शॉर्ट में बोलिए।

श्री मुलायम सिंह यादव (आज़मगढ़) : अध्यक्ष महोदया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं अपनी बात संक्षिप्त में कहूँगा। मैं लंबा भाऐाण नहीं दूँगा।

मैं आपके सामने अपनी बात रखना चाहता हूँ। मेरा सीधा सा सवाल, जो समस्या है, उसी पर है। आज जम्मू और कश्मीर की सीमा पर और आगे चीन की सीमा पर भी लगातार हमारे देश के जवान शहीद हो रहे हैं। हमारे यहाँ पाकिस्तान और चीन प्रवेश करने की कोशिश कर रहा है। यह एक गंभीर समस्या है। मैं यह बात किसी दलगत भावना से नहीं कह रहा हूँ। आपने जो कहा है, मैं उससे सहमत हूँ। मैं आपकी इस बात से सहमत हूँ कि पूरे देश के बारे में सदन में बहस की जाए।

रक्षा मंत्रालय की जिम्मेवारी संभालने का मौका हमें भी मिला था, लेकिन उस समय देश की एक इंच भूमि पर भी वे कब्जा नहीं कर पाए थे। जब भी उन्होंने हमारी भूमि पर कब्जा करने की कोशिश की, तब हमारी सेना ने उनकी सीमा पर जाकर उन पर हमला किया, जिसमें उधर के कई लोग मारे गए थे। इस प्रकार की एक नहीं, बल्कि अनेक घटनाएँ हैं। मैं इन घटनाओं का लंबा उल्लेख नहीं करना चाहता हूँ।

अध्यक्ष महोदया, आपको याद होगा कि उस समय इस पूरे सदन ने हमें बधाई दी थी। माननीय अटल जी ने भी हमें बधाई दी थी। हमारे हिन्दुस्तान की सेना सब से बहादुर सेना है। पूरी दुनिया में इतनी बहादुर सेना कहीं और नहीं है। मैं किसी पर आरोप नहीं लगा रहा हूँ, लेकिन सरकार यह बताए कि क्या वजह है कि हमारे जवान शहीद हो रहे हैं? मैं पहले भी कह चुका हूँ कि जब हम इतने शक्तिशाली देश हैं और हमारे देश की सेना भी इतनी शक्तिशाली है, इसके बावजूद हमारे जवान क्यों शहीद हो रहे हैं? क्या सरकार किसी दुविधा में है?

मुझे ऐसा लगता है कि सरकार ने हमारे सैनिकों को खुली छूट नहीं दी हुई है, ताकि वे अपनी रक्षा के लिए कुछ कर सकें। हमने सैनिकों को यह छूट दे रखी थी, कि यदि आप पर कोई हमला करे, तो आप उनके घर में घुसकर उन पर हमला कीजिए। आपको याद होगा कि हमारी सेना ने लाहौर में जाकर मैदान में उन्हें खदेड़ दिया था। हमने उन्हें आदेश दिया था। हम यही जानना चाहते हैं कि हमारे देश के जवान आज क्यों शहीद हो रहे हैं? हमारा देश उनसे सात-आठ गुना बड़ा है, हमारी सेना इतनी बहादुर है, इसके बावजूद आज हम उनसे पिट रहे हैं?

हमारे देश की दुनिया में बदनामी हो रही है कि पाकिस्तान और चीन हिन्दुस्तान की सेना को मार भी रहे हैं और हमारी जमीन पर कब्जा भी कर रहे हैं। पूरी दुनिया में हमारा अपमान हो रहा है। ऐसा कभी नहीं हुआ। जब ऐसा हुआ तो युद्ध हो गया। लेकिन आज हमारी सेना के जवान मारे जा रहे

हैं। मेरा कहना है कि सरकार को सेना को दुविधा में नहीं रखना चाहिए। उनको स्पऐट आदेश होना चाहिए कि यदि आप पर हमला करें तो आप घुसकर उन पर हमला करें।

माननीय अध्यक्ष : मुलायम सिंह जी, आपने अपनी बात कह ली है।

श्री मुलायम सिंह यादव : मैंने ऐसा लिखित आदेश दिया था। आप उसको देख लीजिए। यह मामूली सवाल नहीं है, यह घटना मामूली नहीं है। हमारे देश का सम्मान दुनिया में गिर रहा है, क्योंकि हम पिट रहे हैं, हमारे बहादुर सैनिक मारे जा रहे हैं।

माननीय अध्यक्ष : मुलायम सिंह जी, आपकी भावना सभी तक पहुंच चुकी है। कृपया समाप्त कीजिए।

श्री मुलायम सिंह यादव : सरकार को जवाब देना चाहिए कि उसको क्या दुविधा है? जब वे हमला कर रहे हैं तब हमारे जवानों को दुविधा में रखा जा रहा है। ऐसी मेरे पास सूचना है कि अभी तक सेना को स्पऐट आदेश नहीं दिए गए हैं कि अगर आपको मारें तो आप भी मारें।

HON. SPEAKER: Mulayam Singhji, please take your seat.

श्री मुलायम सिंह यादव : मैंने ऐसा कहा था, जब हमारे सात जवान शहीद हुए थे, कि आप चार गुना मार गिराइए, हम उनसे आठ गुना हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मुलायम सिंह जी, आपका स्टेटमेंट रिकॉर्ड हो चुका है।

मल्लिकार्जुन खड़गे जी।

श्री धर्मेंद्र यादव (बदायूँ) : अध्यक्ष जी, सरकार जवाब दे।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : धर्मेंद्र जी, आप बैठ जाइए।

श्री धर्मेंद्र यादव : अध्यक्ष जी, बहुत ही गम्भीर मामला है, सरकार को जवाब देना चाहिए कि आखिर हमारे सैनिकों को छूट क्यों नहीं दी जा रही है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप लोग बैठ जाइए।

...(<u>व्यवधान</u>)

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष जी, सरकार को जवाब तो देना ही चाहिए। यह देश का सवाल है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं ऐसा नहीं कर सकती हूं, जवाब देने के लिए जबरदस्ती नहीं कर सकती हूं।

...(<u>व्यवधान</u>)

श्री धर्मेंद्र यादव : सरकार में बैठे लोगों को जवाब देना चाहिए कि हमारे सैनिक क्यों शहीद हो रहे हैं।... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : धर्मेंद्र जी, आप बैठ जाइए। मैं किसी को जवाब देने के लिए जबरदस्ती नहीं कर सकती हूं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं इस तरह से रोज-रोज जवाब देने के लिए नहीं कह सकती हूं।

...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : महोदया, सरकार की तरफ से जवाब आना चाहिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात रिकॉर्ड में आ गयी है। इस तरह से नहीं होता है।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : महोदया, नियम 56 के तहत हमने स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया था। लेकिन वह स्थगन प्रस्ताव अस्वीकार हो गया।

माननीय अध्यक्ष : एडजर्नमेंट मोशन स्वीकार नहीं हुआ है। मैंने शून्यकाल में यह बात कही है।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : महोदया, मैं 'अस्वीकार' कह रहा हूं। मुझे भी थोड़ी-थोड़ी हिन्दी आती है।

माननीय अध्यक्ष : आपको मुझ से अच्छी हिन्दी आती है। शायद मेरे सुनने में तकलीफ होने लगी है और यह आप ही के कारण हो रहा है।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैं अच्छे डॉक्टर के बारे में आपको बताऊंगा।

अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे जीरो ऑवर में एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाने की परमिशन दी है, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं और मैं यह चाहता हूं कि सरकार इसका जवाब, खासकर प्रधानमंत्री जी जो स्वयं यहां आज आए थे, अगर वह इसका रिप्लायी देंगे तो सारे देश में एक अच्छा संदेश जाएगा। देश में दलितों पर अत्याचार के मामले लगातार सामने आ रहे हैं।...(व्यवधान) अत्याचार की घटनाएं कम नहीं हो रही हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैंने पहले ही कहा है कि मैं बोलने के लिए समय दे रही हूं, लेकिन मर्यादित तरीके से हर कोई अपनी बात रखे।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : कुछ फासिस्टवादी शक्तियां दलितों को समाज में सबसे नीचे पायदान पर रखना चाहती हैं। ऊना, रोहित वेमुला और अब भीमा-कोरेगांव की हिंसा दलितों के प्रति अत्याचार के उदाहरण हैं। ग्रामीण

क्षेत्रों के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में भी दलितों के खिलाफ होने वाले अत्याचार बढ़े हैं जो कि बहुत चिंताजनक है। अध्यक्ष महोदया, मैं यह बात इसलिए कह रहा हूं कि दलित जब कभी स्वाभिमान से जीने के लिए उठते हैं और जब उनका स्वाभिमान जागृत होता है तो वे कोई कार्यक्रम करते हैं। उसमें कुछ लोग इंटरफेयर करके या चंद लोगों को उचका कर उस कार्यक्रम को विफल करने और समाज में फूट डालने की कोशिश करते हैं। आज वही भीमा कोरेगाँव में हुआ है। वऐान् 1818 के जो दलित सैनिक थे, उन्होंने जो लड़ाई लड़ी थी उसकी याद में वहां एक स्मारक है। वहां पर हर साल दलित लोग जाकर उसमें शामिल होकर श्रद्धांजली अर्पित करते हैं। अब तक कोई अहितकर घटना नहीं हुई, लेकिन आज जो परस्यू हुआ, यह क्यों हुआ, किसने इसमें इंटरफेयर किया, किसने उसको प्रोत्साहित किया और किसने उनको इंस्टीगेट किया, हमें यह सोचने की आवश्यकता है। जब दलित लोगों का सेना में या आर्मी में भर्ती होना हजारों सालों से प्रतिबंध था क्योंकि दलित अपने हाथ में हथियार नहीं ले सकता था।

माननीय अध्यक्ष : मुझे तो नहीं लगता कि हजारों सालों से प्रतिबंधित था।

...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : हमारे देश में मनुस्मृति से लेकर ब्रिटिश आने तक कोई दलित अपने हाथ में हथियार नहीं लेता था, क्योंकि उनको प्रोहिबीशन था।

माननीय अध्यक्ष : शिवाजी की सेना में तो दलित थे।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ऐसे ही कोई भी स्टेटमेंट मत दीजिए।

...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैडम, मेरे पास पूरी जानकारी है। शिवाजी के वक्त क्या हुआ और पेशवाओं के साथ क्या हुआ। मैं दोनों बातें बोलता हूं। ...(व्यवधान) शिवाजी के वक्त तो दलित थे, लेकिन पेशवा के वक्त पीछे तो झाड़ू लगायी और मुंह पर दो लोगों ने थूकने के लिए मंडी लगायी।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज़, सबको मालूम है।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : आपको मालूम है ना।

माननीय अध्यक्ष : प्लीज़ कंटीन्यू।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : ये चीजें पेशवा करते थे। शिवाजी के बाद उनको सेना में भर्ती होना बैन था। ब्रिटिश गवर्नमेंट में जब वह बैन उठाया गया...(व्यवधान) और उन लोगों को भर्ती करने का, सिर्फ महार रेजीमेंट का नहीं है, राजपूत रेजीमेंट है, जाट रेजीमेंट है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, आप अपनी बात को जल्दी पूरा कीजिए। शून्यकाल में लम्बा भाऐण नहीं होना चाहिए।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : एक बात यह भी ध्यान में रखिए कि अगर मैं गलत नहीं हूं तो शायद इसकी ज्यूडीशियल इन्क्वायरी भी कर दी गई है। आप सब बातों का ध्यान रखकर बोलिए और संक्षिप्त में बोलिए।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : सबका ध्यान रखना है।

माननीय अध्यक्ष : जो आज की तारीख में रखना चाहते हैं, वह बोलिए।

...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैं, आज यही बात कर रहा हूं। जो भीमा कोरेगाँव में हुआ है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं इस पर चर्चा नहीं करा रही हूं। आप केवल मामला उठाइए, नहीं तो मुझे किसी दूसरे सदस्य का नाम लेना पड़ेगा।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मामला उठाया है। लेकिन कोरेगाँव में जो हुआ है, इससे समाज में डिवीजन करने के लिए वहां पर महार और मराठों में फूट डालने के लिए वहां के जो कट्टर हिंदुत्ववादी हैं और ... * के लोग हैं। ...(व्यवधान) इसके पीछे ...* के लोगों का हाथ है।

MAJ. GEN. B.C. KHANDURI AVSM (RETD.) (GARHWAL): Madam, this should be expunged. What he said should not go on record. ...*(Interruptions)*

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : इसके पीछे उनका हाथ है। उन्होंने यह काम करवाया है।

HON. SPEAKER: No, I am sorry. Do not make allegation, please.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैं यह बात नहीं बोल रहा हूं।

HON. SPEAKER: No allegation, please. I am sorry.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : खुद शरद पवार जी ने यह कहा है। वह पुणे में रहते हैं। उन्होंने यह कहा है। मैडम स्पीकर, आप सुनिए। ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Saugata Roy Ji.

SHRI K.C. VENUGOPAL (ALAPPUZHA): Madam, let him complete…..*(Interruptions)*

PROF. SAUGATA ROY (DUM DUM): Madam, I speak with a deep sense of responsibility. You have already said….*(Interruptions)*

माननीय अध्यक्ष : ज्यादा लम्बा भाऐाण नहीं होगा। शून्यकाल में जितना उठा सकते हैं, उतना उठाइए।

PROF. SAUGATA ROY : You have already said that we should say nothing here that will disturb the situation.

Our leader, Mamata Banerjee and our party believe in unity among all classes. … (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आप अपनी बात कम्पलीट कीजिए।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष : आप एक बात सुनिए, शून्यकाल में लम्बा भाऐाण अलाउड नहीं है। आप अपनी बात एक मिनट में पूरी कीजिए। शून्यकाल में जितना बोल सकते हैं, आप उतना ही बोलिये।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैं यहां वहां के तथ्य रख रहा हूं।

माननीय अध्यक्ष : आप दिखाओ मत, please complete it within one minute. That is okay.

… (*Interruptions*)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : आपने पढ़ा होगा. इसीलिए जो दलितों पर...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप कम्पलीट करिये।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैं आपको इतने उदाहरण दे सकता हूं, लेकिन इतना समय नहीं है। लेकिन गुजरात के ऊना में हो, महाराऐट्र में हो, राजस्थान में हो....

माननीय अध्यक्ष : नहीं होना चाहिए, आप अपनी भावना यहां रखो।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : हर जगह जहां-जहां ... * की गवर्नमैंट है...

HON. SPEAKER: No allegation will be allowed.

… (*Interruptions*)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : वहां पर ज्यादा से ज्यादा अत्याचार हुए हैं।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: This will not go in record.

... *(Interruptions)* *

HON. SPEAKER: I will not allow any allegation.

… (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : मैंने पहले ही बोला कि ज्यूडिशियल इंक्वायरी है, इसलिए नो एलिगेशन।

SHRI MALLIKARJUN KHARGE : I want that a Supreme Court Judge should be appointed. … (*Interruptions*) He should inquire this and not the State Government. The State Government has taken a decision. That is a different thing. … (*Interruptions*)

It is my demand that the Prime Minister should come in the House and make a statement because he is always keeping quiet when such incidents happen. … (*Interruptions*) He does not take any action. … (*Interruptions*) He keeps mum. He used to say others ... * He is a ... * regarding *dalits*. … (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आप बैठिये।

HON. SPEAKER: This will not go in record.

...(*Interruptions*) *

HON. SPEAKER: I am sorry.

… (*Interruptions*)

रसायन और उर्वरक मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री अनन्तकुमार): मैडम, मैं इतना ही कहना चाहूंगा कि मल्लिकार्जुन खड़गे जी जो महाराऐट्र में समस्या शुरू हुई है, उसका निदान नहीं करना चाहते हैं, बल्कि उसे भड़काना चाहते हैं...(व्यवधान) उस पर राजनीति करना चाहते हैं। ...(व्यवधान) कांग्रेस आज के दिन हताशा में है। कांग्रेस गुजरात हार चुकी है, कांग्रेस हिमाचल हार चुकी है, कांग्रेस हर जगह हार का मुंह देख रही है ...(व्यवधान)

12.28 hrs

(*At this stage, Shri K. Suresh, Shri Gaurav Gogoi and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.*)

… (*Interruptions*)

इसीलिए महाराऐट्र में शांति और सुव्यवस्था के पैगाम की जो कामना करनी चाहिए, उसके लिए ऐलान करना चाहिए। जैसा आपने कहा कि ब्रिटिशर्स आए और भारत में डिवाइड एंड रूल की पालिसी को लेकर आए। आज के दिन ब्रिटिशर्स की जगह पर कांग्रेस वाले डिवाइड एंड रूल पालिसी कर रहे हैं... (व्यवधान) समाज को तोड़ने का काम कर रहे हैं, समाज में विद्वेऐा पैदा करने का काम कर रहे हैं। यदि आज के दिन में सबका साथ, सबका विकास यह विचार कोई सामने रखकर पूरे देश को एक साथ लेकर आगे जा रहे हैं तो वह हमारे नेता, श्री नरेद्र भाई मोदी जी लेकर जा रहे हैं...(व्यवधान) माननीय प्रधान मंत्री जी लेकर जा रहे हैं।

मैडम, आपके नेतृत्व में यह हाउस, यह सदन, यह लोक सभा शांति का पैगाम देने का काम करे और वहां सभी लोग भाईचारे के साथ रहें, यह पैगाम देने का एक फोरम होना चाहिए, एक मंच होना चाहिए। वहां जो आग लगी है, उस आग को बुझाने के बजाय आग को भड़काने का काम मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी कर रही है ...(व्यवधान) इसकी हम घोर निंदा करते हैं। इसको देश बर्दाश्त नहीं करेगा। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप लोग बैठिये, मैंने पहले ही सबको कहा है कि इस पर राजनीति मत करो। This is not fair on your part.

… (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आप दलितों की भलाई भी नहीं चाहते हो, चर्चा भी नहीं चाहते हो, ये तरीके नहीं होते हैं। आई एम सॉरी। मैंने इसलिए रिक्वैस्ट की थी, यह गलत बात है।

…(<u>व्यवधान</u>)

HON. SPEAKER: Saugata Roy ji, do you want to speak?

… (*Interruptions*)

HON. SPEAKER: But, please mind your language.

PROF. SAUGATA ROY: I have given a notice of Adjournment Motion under Rule 56 on the clashes that broke out in Pune, Maharashtra on January 1st. … (*Interruptions*)

Madam, that day the dailts had gathered in Bhima Koregaon to celebrate the visit of Dr. Ambedkar in 1927 to the spot where the dalits had fought the peshwas. … (*Interruptions*)

HON. SPEAKER: You do not know the incident.

… (*Interruptions*)

PROF. SAUGATA ROY : Madam, let me complete in two minutes. … (*Interruptions*)

Madam, our party and our leader, Mamata Banerjee, believes in harmony between classes. Any clash between two groups or two castes is condemnable. I think that the Maharashtra Government failed totally in anticipating the situation and preventing the violence which led to stone-throwing and arson. Many cars and vehicles were put on fire. … (*Interruptions*)

Madam, today there is bandh throughout Maharashtra. … (*Interruptions*) There is a possibility of further violence. … (*Interruptions*) We want this House to … (*Interruptions*)

HON. SPEAKER: They are doing it. The State Government is there.

Shri Adhalrao Patil Shivajirao.

… (*Interruptions*)

श्री आधलराव पाटील शिवाजीराव (शिरूर) : अध्यक्ष महोदया, पिछले दो दिनों से महाराऐट्र के भीमा-कोरेगाँव, जो मेरा चुनाव क्षेत्र है, जो कि पूणे से तीस किलोमीटर की दूरी है, वहां पर हिंसा हो रही है। ...(व्यवधान) भीमा-कोरेगाँव में दो सौ साल पुराना इतिहास है और 90 साल से वहां हर पहली जनवरी को जश्न मनाया जाता है। ...(व्यवधान) लेकिन पिछले दो दिनों से जो घटनाएं घटी हैं, उनसे दलित और बाकी किसी का संबंध नहीं है। ...(व्यवधान) सिर्फ राजनीति के कारण, कुछ लोगों ने राजनीति करने के लिए और दोनों जातियों में तनाव बढ़ाने के लिए जान-बूझ कर ये कोशिश की है कि मराठा और दलित जातियों में झगड़ा हो जाए। ...(व्यवधान) इसी के लिए यह तनाव किया गया है। ... (व्यवधान) इसके बावजूद सरकार से मेरी माँग है कि सरकार गृह मंत्रालय की तरफ से महाराऐट्र सरकार को सुझाव दे। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ज्युडिशल इंक्वायरी हो रही है न?

…(<u>व्यवधान</u>)

श्री आधलराव पाटील शिवाजीराव: मैडम, वहां पिछले दो दिनों से पुलिस डिपार्टमेंट का कुछ फेल्योर हो गया है। ...(व्यवधान) Police Department could not control the mob and clashes have just taken

place.

माननीय अध्यक्ष : राव साहब दानवे पाटील जी बोलिए।

…(व्यवधान)

*m09

श्री रावसाहेब पाटील दानवे (जालना) : अध्यक्ष महोदया, पूणे के पास भीमा-कोरेगाँव में जो घटना घटी है, उसका हम समर्थन नहीं करे हैं, उसकी निंदा करते हैं। ...(व्यवधान) ब्रिटिशर्स में और उनमें जो युद्ध हुआ था, उस युद्ध को दो सौ साल पूरे हो गए हैं। ...(व्यवधान) उसके सम्मान में इस बार भीड़ ज्यादा आई। ...(व्यवधान) लेकिन वहां पर राजनीति की भाऐगा इस्तेमाल की गई, जिसके कारण वहां पर यह दंगा हुआ है। ...(व्यवधान) मुझे ऐसा लगता है कि महाराऐट्र सरकार ने इसकी न्यायिक चौकसी का आदेश भी दे दिया है। ...(व्यवधान) महोदया, पिछले तीन सालों से महाराऐट्र में हमारी सरकार है। ...(व्यवधान) तीन सालों में एक भी दंगा महाराऐट्र में हुआ नहीं है। ...(व्यवधान) हमारा विकास का एजेंडा है। ...(व्यवधान) ये लोग हमारे इस विकास के एजेंडा को रोक नहीं पाते हैं। ...(व्यवधान) इसलिए ऐसे दंगे कराना इन्होंने शुरू किया है। ...(व्यवधान) हमारी सरकार इसका पूरा समर्थन करती है कि ऐसा नहीं होना चाहिए। ...(व्यवधान) मुझे लगता है कि महाराऐट्र में शांति रखने के लिए हमारी सरकार पूरी तरह कोशिश कर रही है, इसमें कोई संदेह नहीं है। ...(व्यवधान) लेकिन ये लोग विकास का एजेंडा रोकने के लिए दंगों की भाऐगा का प्रयोग कर रहे हैं। ...(व्यवधान) वहां पर कोई भी ऐसी घटना महाराऐट्र सरकार घटने नहीं देगी और न्यायिक चौकसी हो रही है। ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Hon. Members, the Matters under Rule 377 shall be laid on the Table of the House. Members, who have been permitted to raise matters under Rule 377 today and are desirous of laying them, may personally hand over text of the matter at the Table of the House within twenty minutes.

Only those matters shall be treated as laid for which text of the matter has been received at the Table within the stipulated time. The rest will be treated as lapsed.

… (*Interruptions*)